Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 10

विज्ञान

अध्याय – 7

जीव जनन कैसे करते हैं

भाग – 6

अभ्यास प्रश्न

राजिका अग्रवाल

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



1 | अलैंगिक जनन मुकुलन द्वारा होता है।

अ अमीबा

ब यीस्ट

स प्लाज्मोडियम

द लेस्मानिया

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



2 निम्न में से कौन मानव में मादा जनन तंत्र का भाग नहीं है?

अ अंडाशय

ब गर्भाशय

स शुक्रवाहिका

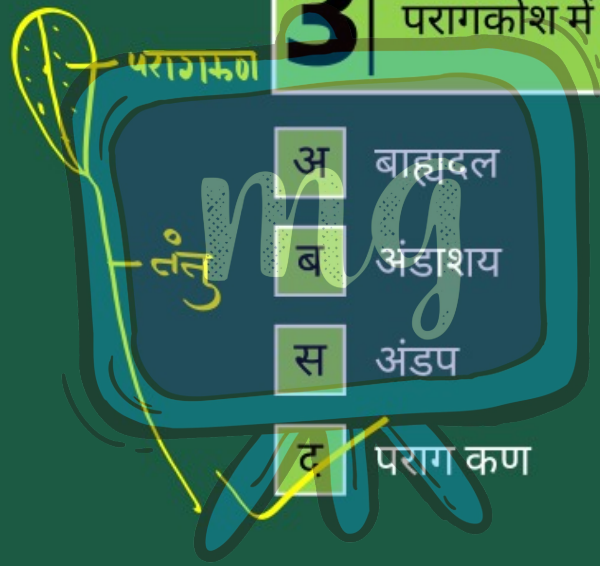
द डिंबवाहिनी

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER





3 परागकोश में होते हैं-

अ बाह्यदल

ब अंडाशय

स अंडप

द पराग कण

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



4 अलैंगिक जनन की अपेक्षा लैंगिक जनन के क्या लाभ हैं?



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



4 अलैंगिक जनन की अपेक्षा लैंगिक जनन के क्या लाभ हैं?

उत्तर :

लैंगिक जनन एक उच्च विकसित प्रक्रिया है। इसमें दो भिन्न तथा लैंगिक असमानता वाले जीवों से आये युग्मकों का संलयन होता है। इस प्रकार के जनन में संततियों के गुणों में विभिन्नताएँ आती हैं। ये विभिन्नताएँ जाति के अस्तित्व को बनाऐं रखने में सहायता करती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



5 | मानव में वृषण के क्या कार्य हैं?



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



5 | मानव में वृषण के क्या कार्य हैं?

उत्तर :

- मानव में शुक्राणुओं का निर्माण वृषण में होता है।
- वृषण से टेस्टोस्टोरॉन हार्मोन उत्पन्न होता है जो शुक्राणुओं के उत्पादन तथा लड़को में यौवनारंभ के लक्षणों जैसे - चेहरे पर बालों का उगना, आवाज का मोटा होना आदि को नियंत्रित करता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



6 | ऋतुस्राव क्यों होता है?



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



6 | ऋतुस्राव क्यों होता है?

उत्तर :

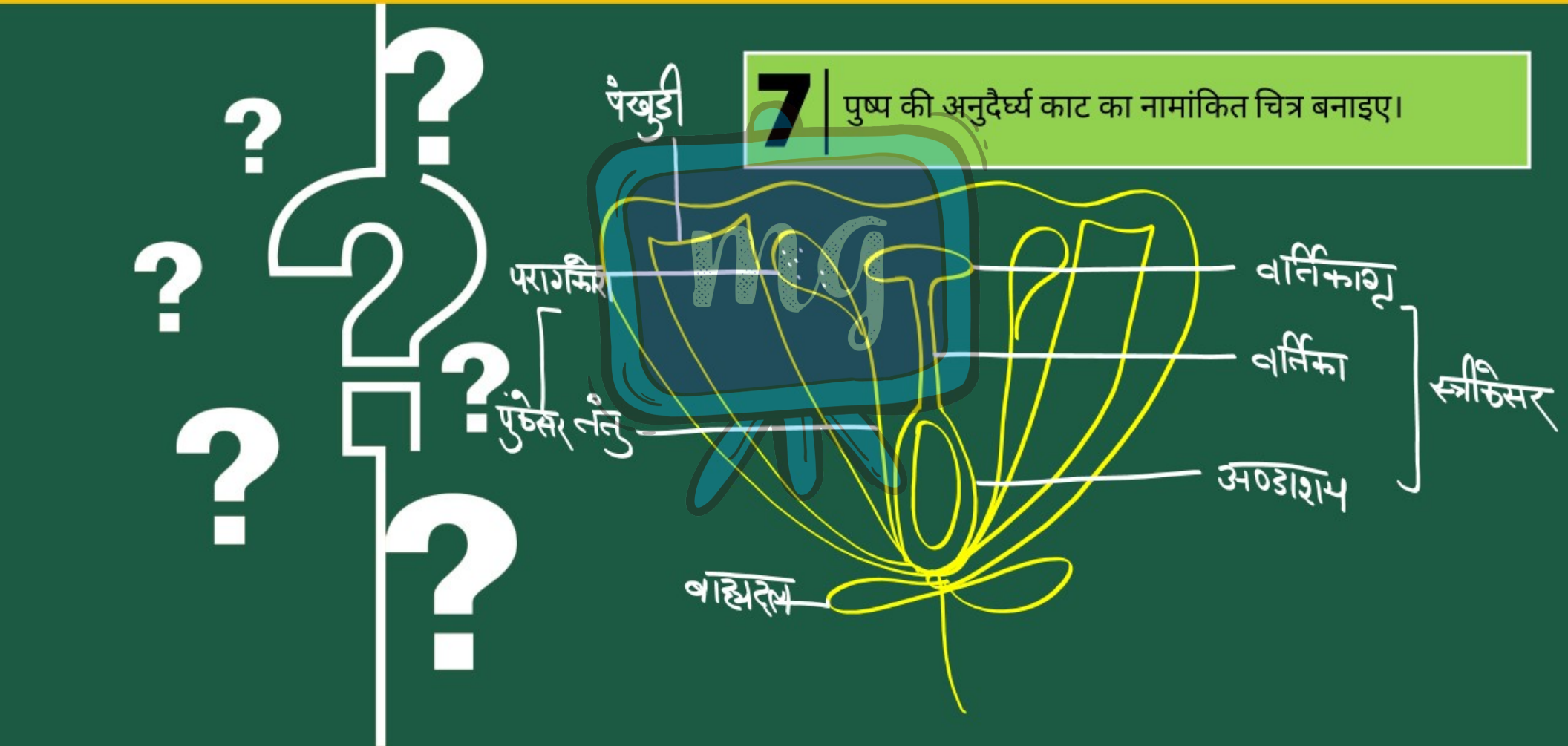
- गर्भाशय प्रत्येक माह भ्रूण को ग्रहण करने एवं उनके पोषण के लिए तैयारी करता है, परन्तु यदि अंडकोशिका निषेचित नहीं होती तो गर्भाशय की आन्तरिक भित्ति मांसल एवं स्पंजी हो जाती है और निषेचन न होने के कारण यह परत धीरे-धीरे टूट कर योनि मार्ग से रुधिर एवं म्यूकस के रूप में निकल जाती है।
- इस प्रक्रम को ही ऋतुस्त्राव या रजोधर्म कहते हैं। इसकी अवधि 2 से 5 दिनों की होती है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

7 | पुष्प की अनुदैर्घ्य काट का नामांकित चित्र बनाइए।



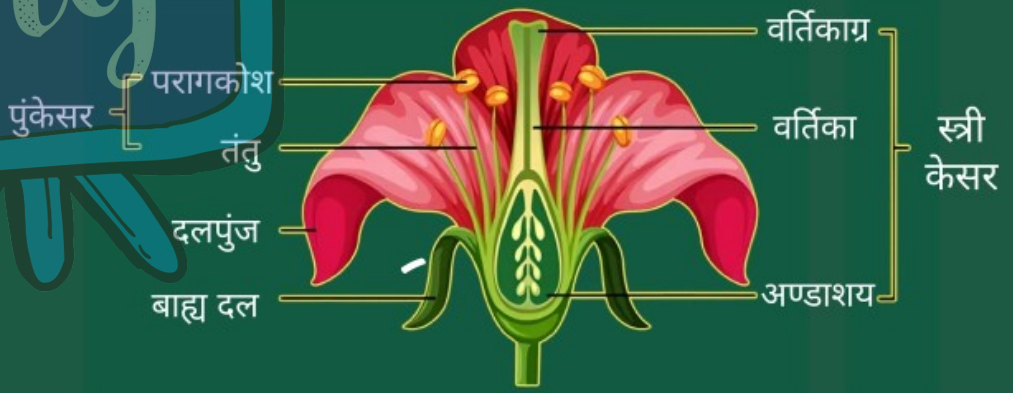
Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

7 | पुष्प की अनुदैर्घ्य काट का नामांकित चित्र बनाइए।

उत्तर :



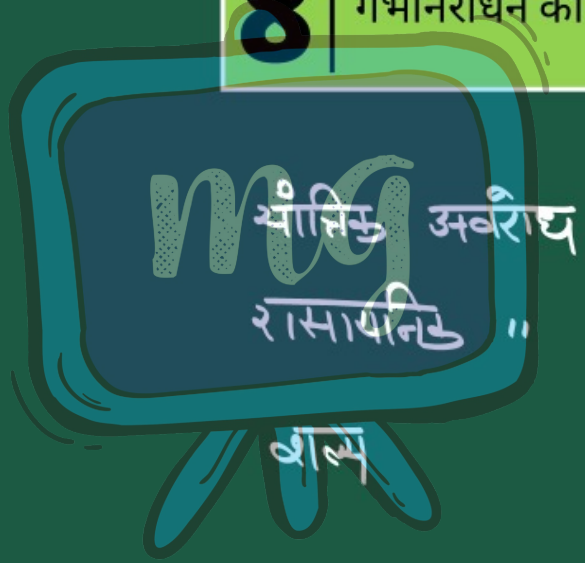
Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



8 | गर्भनिरोधन की विभिन्न विधियाँ कौन सी हैं?



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



8 | गर्भनिरोधन की विभिन्न विधियाँ कौन सी हैं?

उत्तर :

गर्भधारण को रोकने के अनेक तरीके हो सकते हैं। इनमें से कुछ विधियाँ निम्नलिखित है:

- यांत्रिक अवरोध :- इस विधि में शुक्राणु, अंडकोशिका तक नहीं पहुँच पाते हैं। इसमें शिश्न को ढकने वाले कंडोम अथवा योनि में रखने वाली अनेक युक्तियों का उपयोग किया जाता है। महिलाओं में लूप अथवा कॉपर- टी को गर्भाशय में स्थापित करके भी गर्भाधान को रोका जा सकता है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



- रासायनिक अवरोध :- कुछ विशेष दवाइयों द्वारा शरीर में हार्मोन संतुलन का परिवर्तन कर दिया जाता है, जिससे अंड का मोचन ही नहीं होता है। इसलिए निषेचन की कोई संभावना ही नहीं रह पाती है।
- शल्यक्रिया अवरोध :- इस विधि में पुरुषों की शुक्रवाहिकाओं को अवरुद्ध कर दिया जाता है ताकि शुक्राणुओं का स्थानांतरण रुक जाए या महिलाओं में उनकी अंडवाहिनी अथवा फेलोपियन नलिका को अवरुद्ध कर दिया जाता है ताकि अंड (डिम्ब) गर्भाशय तक न पहुँच पाए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



9 | एक-कोशिक एवं बहुकोशिक जीवों की जनन पद्धति में क्या अंतर है?



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



9 एक-कोशिक एवं बहुकोशिक जीवों की जनन पद्धति में क्या अंतर है?

उत्तर :

- एक-कोशिक जीवों में जनन अलैंगिक विधियों द्वारा होता है। जिनमें एक ही जनक कोशिका अन्य संतति कोशिकाओं में विभाजित हो जाती है।
- इस प्रकार के जनन में केवल एक ही प्रकार के जनक की आवश्यकता होती है।
- बहुकोशिक जीवों में लैंगिक जनन होता है जिसमें एक नर तथा एक मादा जीव की आवश्यकता होती है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER





☛ इस प्रकार के जीवों में जनन के लिए विशिष्ट कोशिकाएँ तथा विशेष अंग होते हैं जिनकी शरीर में स्थिति निश्चित होती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



10 जनन किसी स्पीशीज़ की समष्टि के स्थायित्व में किस प्रकार सहायक है?



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



10 जनन किसी स्पीशीज़ की समष्टि के स्थायित्व में किस प्रकार सहायक है?

उत्तर :

- जनन के द्वारा जीव अपने ही प्रकार के नये जीवों की उत्पत्ति कर अपनी स्पीशीज़ के अस्तित्व को लंबे समय तक बनाए रखते हैं।
- यदि वे जनन नहीं करेंगे तो धीरे-धीरे उनकी संख्या कम होती जाएगी और एक दिन ऐसा भी आएगा जब स्पीशीज़ का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा।
- इस प्रकार, जनन किसी स्पीशीज़ की समष्टि के स्थायित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



11 गर्भनिरोधक युक्तियाँ अपनाने के क्या कारण हो सकते हैं?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



11 | गर्भनिरोधक युक्तियाँ अपनाने के क्या कारण हो सकते हैं?

उत्तर :

गर्भनिरोधक तरीकों को मुख्य रूप से निम्न कारणों से अपनाया जाता है–

- अवांछित गर्भधारण को रोकने के लिए।
- जनसंख्या वृद्धि या जन्म दर को नियंत्रित करने के लिए।
- यौन संचारित रोगों के हस्तांतरण को रोकने के लिए।